



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

98] नई दिल्ली, सोमवार, जून 2, 1975/ज्येष्ठ 12, 1897

98] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 2, 1975/JYAISTHA 12, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 2nd June 1975

No. F. 3(10)-NS/75.—The President hereby makes the following rules further to amend the Post Office (Recurring Deposits) Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office (Recurring Deposits) (Second Amendment) Rules, 1975.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Post Office (Recurring Deposits) Rules, 1970, in rule 11A,—
 - (1) in sub-rule (i) after the letters and figures "Rs. 10", the words, letters and figures "or Rs. 15 or Rs. 20", shall be inserted;
 - (2) for sub-rule (ii), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(ii) If a depositor or the surviving depositor, as the case may be, has more than one account of the denomination of Rs. 5, Rs. 10, Rs. 15 or Rs. 20, the benefit of payment under this rule shall be available in respect of only one account which may be specified by the depositor or surviving depositor, as the case may be. Such depositor may change the option and specify another account if he so desires by an application to the Post Office where the account

stands registered. If no such account has been so specified by such depositor, the benefit of payment shall be admissible in respect of the earliest account of the denomination of Rs. 20, if any, which qualifies for payment and if there is no such account of the denomination of Rs. 20, then in respect of any one of the earliest account of the denomination of Rs. 15, Rs. 10 or Rs. 5, which qualifies for payment."

सं० एक० ३(१०)–एन० एस०/७५.—राष्ट्रपति ने डाकधर (आवर्ती जमा) नियमावली १९७० में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित और नियम बनाये हैं :—

1. (1) ये नियम डाकधर (आवर्ती जमा) (दूसरा संशोधन) नियमावली, १९७५ के जाएंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. डाकधर (आवर्ती जमा) नियमावली, १९७० के नियम ११क में :—

(1) उपनियम (i) में अक्षर और शब्द "१० रुपये" के स्थान पर "या १५ रुपये या २० रुपये" शब्द, अक्षर और अंक लिखे जाएंगे।

(2) उपनियम (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा :—

"(ii) यदि जमाकर्ता अथवा उत्तरजीवी जमाकर्ता के, जैसी भी स्थिति हो, ५ रुपये, १० रुपये, १५ रुपये अथवा २० रुपये के एक से अधिक खाते हैं तो इस नियम के अन्तर्गत अदायगी केवल एक खाते पर हो सकेगी जिसका निर्देश जमाकर्ता या उत्तरजीवी जमाकर्ता द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, किया गया होगा। उक्त जमाकर्ता यदि चाहे तो उस डाकधर में आवेदन पत्र देकर, जहां खाता पंजीकृत किया गया हो, अपने बताये गये खाते के बजाय कि वे दूसरे खाते का निर्देश कर सकता है। अगर जमाकर्ता द्वारा किसी खाते का निर्देश नहीं किया गया है तो अदायगी २० रुपये वाले सबसे पहले खोला गये खाते पर, अगर ऐसा कोई खाता हो और जिसकी अदायगी होनी है, की जायगी लेकिन अगर २० रुपये का कोई खाता न होतो, तो अदायगी १५ रुपये, १० रुपये और ५ रुपये के किसी एक खाते पर, जो सबसे पहले खोला गया हो और जिसकी अदायगी होनी हो, की जायगी।"

No. F. 3(10)-NS/75(i).—The President hereby makes the following rule: further to amend the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) Rules 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) (Third Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Post Office (Cumulative Time Deposits) Rules, 1959, in rule 10A,—

(1) in sub-rule (i) after the letters and figures "Rs. 10", the words, lette and figures "or Rs. 15 or Rs. 20", shall be inserted;

(2) for sub-rule (ii), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(ii) If a depositor or the surviving depositor, as the case may be, has more than one 5 year account of the denomination of Rs. 5, Rs. 10,

Rs. 15 or Rs. 20, the benefit of payment under this rule shall be available in respect of only one account which may be specified by the depositor or surviving depositor, as the case may be. Such depositor may change the option and specify another account if he so desires by an application to the Post Office where the account stands registered. If no such account has been so specified by such depositor, the benefit of payment shall be admissible in respect of the earliest account of the denomination of Rs. 20, if any, which qualifies for payment and if there is no such account of the denomination of Rs. 20, then in respect of any one of the earliest account of the denomination of Rs. 15, Rs. 10 or Rs. 5 which qualifies for payment."

K. N. ROW, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

प्रधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 2 जून, 1975

सं० एफ० ३(१०)-एन० एस०/७५(१).—राष्ट्रपति ने डाकघर बचत बैंक (संचयी सावधि जमा) नियमावली 1959 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित और नियम बनाये हैं :—

1. (1) ये नियम डाकघर बचत बैंक (संचयी सावधि जमा) (तीसरा संशोधन) नियमावली, 1975 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. डाकघर (संचयी सावधि जमा) नियमावली, 1959 के नियम 10क में :—

(1) उपनियम (i) में अक्षर और शब्द "10 रुपये" के स्थान पर "या 15 रुपये या 20 रुपये" शब्द, अक्षर और अंक लिखे जायेंगे।

(2) उपनियम (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा :—

(ii) यदि जमाकर्ता प्रथमा उत्तरजीवी जमाकर्ता के, जसी भी स्थिति हो, 5 रुपये, 10 रुपये, 15 रुपये अथवा 20 रुपये के एक से अधिक 5 वर्षीय खाते हैं तो इस नियम के अन्तर्गत अदायगी केवल एक खाते पर हो सकेगी जिसका निर्देश जमाकर्ता या उत्तरजीवी जमाकर्ता द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, किया गया होगा। उक्त जमाकर्ता यदि चाहे तो उस डाकघर में आवेदन पत्र देकर, जहां खाता पंजीकृत किया गया हो, अपने बताये गये खाते के बजाय किसी दूसरे खाते का निर्देश नहीं किया गया है तो अदायगी 20 रुपये वाले सबसे पहले खेले गये खाते पर, अगर ऐसा कई खाता हो और जिसकी अदायगी होनी है, की जायगी लेकिन अगर 20 रुपये का कई खाता न हो तो, तो अदायगी 15 रुपये, 10 रुपये और 5 रुपये के किसी एक खाते पर, जो सबसे पहले खोला गया हो और जिसकी अदायगी होनी हो, की जायगी।"

के० एन० राव, संयुक्त सचिव।

